कुरमाली

खण्ड 'क'

व्याकरणः– वर्ण विचार, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, काल, क्रिया, समास, अव्यय, वाच्य, वाक्य के भेद, विपरीतार्थक शब्द, ऊनार्थक शब्द।

खण्ड 'ख'

गद्य साहित्य

JSSC exam

1. **लोककथा :–**
   (1) बांदना (सेंहरेइ परब)
   (2) टसर राजा
   (3) निसारथि के भगवान सारथि
   (4) साधन
   (5) लिलुक कसनि
   (6) माछेक हांसी
   (7) पुइतू
   (8) सियारेक मांदेइर
   (9) राजा घारे बिहा
   (10) धीरजे कारज सिद्ध

jssc exam

2. **आधुनिक कहानी** –
   (1) छटपटी – बसंत कुमार मेहता
   (2) बानछा – डॉ० एच० एन० सिंह
   (3) दिसा – निरंजन माहतअ
   (4) ढेंकि सांप – सुनिल माहतअ
   (5) धखा – अनन्त माहतअ
   (6) धनेक गरब – डॉ० एच० एन० सिंह
   (7) मकरी – डॉ० एच० एन० सिंह
   (8) गाछ भगवान – डॉ० एच० एन० सिंह
3. नाटक – केरिआ बहु– कालिपद महतो
4. साहित्यकारः– डॉ0 नन्द्र किशोर सिंह, लखीकान्त महतो, केशव चन्द्र महतो, बसन्त कुमार मेहता, अनन्त महतो, डॉ० मानसिंह महतो, खुदी राम महतो, डॉ० हरदेव नारायण सिंह।

खण्ड 'ग'

पद्य साहित्य

1. लोकगीतः– लोकगीत की परिभाषा, कुरमाली लोकगीतों का वर्गीकरण कुरमाली लोकगीत – विवाहगीत, डमकच, उधवागीत, ढपगीत डांइड़धरा गीत (पांतागीत), करम, एढ़ेइया, बादंना (सोहराई) खेलगीत, बालगीत (छवा भुला गीत)

jssc exam

2. शिष्ट गीत :–

(1) "जे विधि जनम देला, ताहा के बिसरी गेला।"

(2) "सयने सपने देखी, पलके ना परे आँखी।"

(3) "रितु बंसत भेल, मर पिया काहां गेल।"

(4) "लाल कमल दहे, फूल माला उपजये।"

(5) "वृन्दावने फुटीगेला, नाना जाति फूल गो।"

(6) "भादर मासे सैंया मर पड़ली बेजार, इामें नाचब कइसे।"

(7) "सुइया मुही बुढ़ियांइ, जीवने सांतावली गो।" – भीमचरण

(8) "पिया पिया जातिया, बरसा बिती गेल रे।" – बाउलदास

(9) "आवल माधव बहे मन्द पवनवा।"–तुलसीदास

(10) "आवल बरिसा हित, हुदकी उठल चित्त।"

आधुनिक कविताएँ :

jssc exam

(1) उड़ीस

(2) जागरण

(3) गनति

(4) एकटा गाछे दुइटि चेरेइ

(5) जाहाँक झांक तारि

(6) भगुआ पिंधाक तरहअ

(7) बिडुल

(8) बिसरिस ना मांइ

(9) धंधौरा

(10) तोंय कन